हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

9 तपोभूमि जटेला धाम आश्रम में पूर्णिमा महोत्सव...

10 शहर की सड़कों पर बेसहारा गोवंशों का...

खबर संक्षेप

निर्माणाधीन मकान से लाखों का सरिया चोरी

बहादुरगढ़। करोल बाग दिल्ली के निवासी पप्पू सेठ का कहना है कि बहादुरगढ़ के सेक्टर 9 में उसका प्लॉट है। इस प्लॉट पर फिलहाल बिल्डिंग बनाने का काम चल रहा है। हाल ही में यहां पर सरिया डलवाया गया था। रात को अज्ञात चोरों ने सरिये पर हाथ साफ कर दिया। जांच के दौरान सरिये के 60 बंडल यानी छह टन चोरी हुआ है। सरिये की कीमत करीब साढ़े 3 लाख रुपये है। सेक्टर 9 चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

व्यापारियों को पुराने बकाया टैक्सों से मिलेगी राहत

झज्जर। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त अजय कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा एक बार फिर एकमुश्त निपटान स्कीम-2026 लागू करने का निर्णय लिया है। जिससे पुराने कर बकायों का निपटान, न्यायालयों एवं अपीलीय मंचों पर लंबित मामलों का समाधान तथा करदाताओं को नई कर व्यवस्था में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 1 जून 2026 से 120 दिनों के लिए एकमुश्त निपटान स्कीम-2026 लागू की गई है, जिसके तहत करदाता 20 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे।

कोर्ट परिसर के पास से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। कोर्ट परिसर के निकट से बाइक चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में सांखोल के निवासी नवदीप राठी ने कहा है कि वह शनिवार को वह किसी काम के सिलसिले में कोर्ट गया था। बाहर बाइक खड़ी कर दी। जब वापस आया तो बाइक नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आग बुझाने में दमकल कर्मियों को करनी पड़ी काफी मशक्कत

कांच लगने से एक दमकल कर्मी घायल

फैक्ट्रियों में बार-बार लगती आग की घटनाओं से वातावरण पर भी पड़ रहा बुरा प्रभाव

फुटवियर फैक्ट्रियों में आग लगने से कई किलोमीटर दूर तक दिखा काला धुआं

फैक्ट्री में जूतों के पतावे बनाने का होता है काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

औद्योगिक नगरी बहादुरगढ़ में फैक्ट्रियों में लगातार आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। रविवार की सुबह भी सेक्टर 17 में लगी 2 फुटवियर फैक्ट्रियों की आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। कांच लगने से एक दमकल कर्मी घायल तक हो गया। कई किलोमीटर दूर तक आसमान में काला धुआं छाया रहा। फैक्ट्रियों में लगती बार बार आग इलाके के वातावरण में भी जहर घोल रही हैं।

दरअसल, रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे प्लॉट नंबर-261 स्थित शांति इंटरप्राइजेज के ग्राउंड फ्लोर टीन शेड में अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में जूतों के पतावे बनाने का काम होता है। ज्वलनशील पदार्थ होने के चलते आग तेजी से फैली और देखते ही देखते पूरे परिसर को चपेट में ले लिया। बचने के लिए कर्मचारी बाहर की तरफ दौड़े, लेकिन दो श्रमिक चपेट में आ गए। इनकी पहचान मोनू निवासी शाहजहांपुर यूपी तथा दीपक निवासी कानपुर यूपी के रूप में हुई है। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। दोनों का शरीर काफी झुलसा हुआ है।

बहादुरगढ़। आग से धधकती बिल्डिंग व आग पर काबू पाने का प्रयास करते दमकलकर्मी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। पीजीआई रेफर किया जा रहा एक झुलसा हुआ श्रमिक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। फैक्ट्री के बाहर खड़ी दमकल गाड़ियां। फोटो : हरिभूमि

प्लॉट नंबर-262 स्थित आरकेसी लैमिनेट्स लिमिटेड तक पहुंची आग

जब तक दमकम विभाग की टीम मौके पर पहुंचती, तब तक आग साथ लगती प्लॉट नंबर-262 स्थित आरकेसी लैमिनेट्स लिमिटेड तक पहुंच गई। इस फैक्ट्री में कपड़े और रेग्जीन से संबंधित कार्य किया जाता है। इस फैक्ट्री में धमाका भी हुआ। दिल्ली, बहादुरगढ़, सोनीपत झज्जर, रोहतक की करीब दर्जनभर गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभाला। कई घंटों की मशक्कत के बाद दोपहर को आग पर नियंत्रण पाया जा सका। हालांकि पूरी तरह से बुझ नहीं सकी थी।

प्लॉट नंबर 261 में चल रही फैक्ट्री पूरी तरह से खत्म

आग के कारण प्लॉट नंबर 261 में चल रही फैक्ट्री पूरी तरह से खत्म हो गई। माल, मशीने और भवन तक कंडम हो गया। वहीं साथ लगती दूसरी फैक्ट्री में भी काफी माल जल गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि शार्ट सर्किट की आशंका है। आग लगने के कारण और नुकसान का सही आकलन जांच के बाद हो सकेगा। आग इतनी भीषण थी कि कई किलोमीटर दूर तक आसमान में काला धुआं देखने को मिला। बीते कुछ समय में बहादुरगढ़ की कई फैक्ट्रियों में आग लग चुकी है। पिछले दिनों ही एमआईई स्थित एक फैक्ट्री में धमाका होने से 1 श्रमिक की मौत हुई थी तो 5 झुलस गए थे।

बहादुरगढ़। आग पर काबू पाने का प्रयास करते दमकलकर्मी।

कानोंदा में 35 लाख के कार्यों का शुभारंभ

22 लाख रुपये की लागत से बनेगी 2 नई गलियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव कानोंदा में रविवार को विधायक राजेश जून ने करीब 35 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया। गांव पहुंचने पर विधायक राजेश जून का ग्रामीणों ने पगड़ी बांधकर, फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

विधायक राजेश जून ने करीब 22 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 2 नई गलियों के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। जून ने कहा कि गांव कानोंदा के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विधायक कोटे से गांव में 10 लाख रुपये की लागत से ई-लाइब्रेरी का निर्माण कार्य जारी है, वहीं पार्क में लगभग 3 लाख रुपये की लागत से झूले लगाए जा रहे हैं। अब इन 2 नई गलियों के निर्माण से गांव की तस्वीर और बेहतर होगी तथा लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिलेगा। विधायक ने ग्राम सरपंच और ग्रामीणों से विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष नजर रखने की अपील करते हुए कहा कि यदि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत विधायक कार्यालय या संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि विकास कार्य पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूरा कराया जा सके। इस अवसर पर ग्राम सरपंच, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

झज्जर। नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

झज्जर। गांव मलिकपुर के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि गाड़ी में सवार दो अन्य युवक घायल हो गए। मृतक की पहचान मलिकपुर गांव निवासी करीब 30 वर्षीय नसीब पुत्र जयभगवान के तौर पर हुई है। नसीब शनिवार को अपने साथ मलिकपुर निवासी आनंद व दूबलधन निवासी सागर के साथ गाड़ी में सवार होकर किसी काम से दूबलधन माजरा गए थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे काम निपटाकर दोपहर बाद करीब ढाई बजे वापिस लौट रहे थे तेज आंधी के कारण उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराई। इस घटना में जहां नसीब की मौत हो गई वहीं आनंद व सागर घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी संदीप ने बताया कि मृतक के साथी सागर के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

प्रतियां जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान के तहत रविवार को बहादुरगढ के लाल चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया। किसानों ने एमएसपी आदेश की प्रतियां फूंकी व केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

किसान नेता जयकरण मांडौठी, सुमित छिकारा तथा राम किशन ने कहा कि किसानों की गारंटीकृत सी-2 प्लस 50 प्रतिशत एमएसपी की मांग बहुत पुरानी है। किसान आंदोलन के समय सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुरूप सी-2 प्लस 50 फीसद फ़ार्मूले के आधार पर एमएसपी देने का वायदा किया था, लेकिन अब सरकार अपने वायदे से मुकर गई है। सतबीर सिंह बल्हारा, राजबीर सिंह छिल्लर व सतीश कुमार ने कहा कि महंगाई के कारण कृषि में लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है लेकिन एमएसपी में नाममात्र की बढ़ोतरी की गई है।

शमशेर सिंह तथा संजीवन ने बताया कि डीएपी व यूरिया की भारी कमी चल रही है और काला बाजारी हो रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान घोषित एमएसपी, पेट्रो पदार्थों के मूल्य वृद्धि के आदेशों की प्रतियां भी फूंकी। इस अवसर पर संपूर्ण लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी देने, बढ़ाए गए डीजल पेट्रोल व रसोई गैस के दाम वापस लेने, डीएपी व यूरिया की कमी दूर करने, महंगाई पर रोक लगाने, रोजगार देने व गरीबों को कर्जमुक्त करने की मांग की गई। प्रदर्शन में लालजी, रामदत्त, राकेश, पवन, राहुल, दीपक दिलशेर सिंह, गुरदीप सिंह सहित अन्य शामिल थे।

बहादुरगढ़। घोषित एमएसपी की प्रतियां जलाते किसान संगठन से जुड़े लोग।

झज्जर। जागरुकता रैली निकालते हुए स्वयंसेविकाएं। फोटो : हरिभूमि

रैली निकालकर लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभाव से करवाया अवगत

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एनएसएस इकाई द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई। रैली में छात्राओं ने लोगों को तंबाकू के सेवन से शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी और उन्हें किसी प्रकार के तंबाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस प्रभारी डॉक्टर अनु बरवड़ ने बताया कि छात्राओं ने तंबाकू के नुकसान और उससे होने वाली बीमारियों से लोगों को अवगत कराते हुए उनसे तंबाकू छोड़ने का आह्वान किया। रैली में उपस्थित स्वयंसेविका तनु, कविता व नैंसी ने बताया कि इस दिवस की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 1987 में की गई थी। उन्होंने तंबाकू का नाश हो, स्वस्थ जीवन का विकास हो जैसे नारे भी लगाए। डॉक्टर अनु बरवड़ द्वारा सभी स्वयंसेविकाओं को शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया।

रास्ता रोककर कार चालक के साथ मारपीट

बहादुरगढ़। नया गांव बाईपास पर एक कार चालक युवक पर रास्ता रोककर हमला कर दिया गया। मारपीट के साथ साथ सिर में कांच की बोतल से भी प्रहार करने की बात सामने आई है। हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात सेक्टर 6 के निवासी अभिमन्यु के साथ हुई है। अभिमन्यु का कहना है कि वह गुरुग्राम में काम करता है। गत 28 मई को गुरुग्राम से अपनी कार में सवार होकर लौट रहा था। जब यहां रोहतक दिल्ली बाईपास पर पहुंचा तो एक इको गाड़ी आगे आकर अड़ी। उसका चालक गाली गलोच करने लगा। मैं वहां से निकल गया। इसके बाद उस गाड़ी के चालक ने नयागांव बाईपास चौक के निकट रास्ता रोक लिया। उसमें से दो युवक बाहर निकले और मारपीट शुरू कर दी। फिर अपने दो और साथी उन लोगों ने बुला लिए। कांच की बोतल सिर में मारी। जान से मारने की धमकी देने लगे। पुलिस को आरोपियों की गाड़ी का नंबर मिल गया है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। छानबीन जारी है।

5 डॉक्टर, 6 स्टाफ नर्स तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत

आईसीयू की सुविधा के बावजूद मरीजों के रेफर पर जोर

निर्माणाधीन नए अस्पताल भवन में आईसीयू को ग्राउंड फ्लोर पर स्थापित किए जाने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नागरिक अस्पताल में वर्ष 2022 से इंटेंसिव केयर यूनिट यानी आईसीयू संचालित है और यहां प्रतिदिन औसतन दर्जनभर मरीजों को भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त हुई है।

आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, नागरिक अस्पताल की आईसीयू ट्रॉमा सेंटर भवन में स्थित है। यहां गंभीर मरीजों की देखभाल के लिए 5 डॉक्टर, 6 स्टाफ नर्स तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, आईसीयू वर्ष 2022 से लगातार मरीजों को सेवाएं प्रदान कर रही है। हालांकि यह यूनिट ट्रॉमा सेंटर की पहली मंजिल पर बनी हुई है, जहां पहुंचने के लिए केवल सीढ़ियों का ही सहारा है। शहर के निवासी सतपाल हाडा ने कहा कि वर्तमान में यहां लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे गंभीर मरीजों के आवागमन में दिक्कतें सामने आती हैं। बताया गया है कि निर्माणाधीन नए अस्पताल भवन में आईसीयू को ग्राउंड फ्लोर पर स्थापित किए जाने की संभावना है, लेकिन नया भवन कब तक तैयार होगा, इसकी जानकारी न तो अस्पताल के भवन प्रभारी के पास है और न ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के पास है।

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल के ट्रामा सेंटर की बिल्डिंग। फोटो : हरिभूमि

वर्तमान में कोई मशीन स्थापना के लिए लंबित नहीं

आरटीआई के जवाब में यह भी बताया गया कि नागरिक अस्पताल में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से तृतीय श्रेणी के 17 तथा चतुर्थ श्रेणी के 143 कर्मचारी कार्यरत हैं। वहीं अस्पताल में तैनात कोई भी डॉक्टर या स्टाफ नर्स हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत नियुक्त नहीं है। अस्पताल प्रशासन ने जानकारी दी कि अस्पताल के लिए स्वीकृत सभी मशीनें स्थापित की जा चुकी हैं और वर्तमान में कोई मशीन स्थापना के लिए लंबित नहीं है। इसके अलावा अस्पताल की तीनों सरकारी एम्बुलेंस चालू अवस्था में हैं और मरीजों को सेवाएं प्रदान कर रही हैं। हाडा ने कहा कि बेशक यहां आईसीयू चालू बताया जा रहा है, लेकिन अधिकांश मरीजों को रेफर ही किया जाता है। इस वजह से अक्सर अत्याधिक गंभीर मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

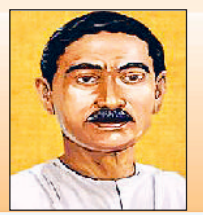

कहानी

पवन गहलोत

आंखों की जलन

एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी ओर ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई रूरूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है ।

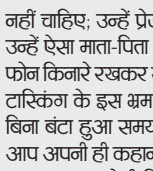

संदीप विद्यार्थी

लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता

आनंद शर्मा

उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता

सपना

जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3**D** विजुअलाइजेशन, ऑटो**CAD**, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3**D** विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्जरी इंटीरियर डिजाइन

आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्जरी ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा

कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की जरूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।

कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

जटेला धाम आश्रम में पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह से मनाया

भारत की संस्कृति और सनातन परंपरा विश्व में अद्वितीय: दिनेश

आश्रम से माजरा मंडी तक बनने वाली सड़क का शुभारंभ किया

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते महंत राजेंद्र दास महाराज और कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया

पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी : महंत राजेंद्र दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को स्वामी नितानंद महाराज की तपोस्थली तपोभूमि जटेला धाम आश्रम में पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मुख्यातिथि ने आश्रम से माजरा मंडी तक बनने वाली सड़क तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि तपोभूमि जटेला धाम आश्रम देशभर में अध्यात्म, योग, आयुर्वेद एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। आश्रम द्वारा समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और सनातन परंपरा विश्व में अद्वितीय है तथा प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र, धर्म और संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि प्रकृति के प्रति मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है और हमें प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी नागरिकों को राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करना होगा। मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए प्रभु स्मरण, जीव सेवा और प्रकृति संरक्षण को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन गोबिंद भारद्वाज, आर्यावर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया, संजय अग्रवाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भारतीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर : प्राचार्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ एम आर स्कूल हसनपुर में चल रहा है समर कैंप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत एम आर स्कूल हसनपुर में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप-2026 के पांचवें दिवस का आयोजन उत्साह, उमंग एवं रचनात्मक गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पांचवें दिवस की गतिविधियों का मुख्य विषय संस्कृति की सराहना, श्रवण कौशल का विकास तथा स्थानीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, कलाकारों एवं महान व्यक्तित्वों के प्रति जागरूकता रहा।

विद्यार्थियों ने विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को ऑडियो-विजुअल माध्यमों द्वारा प्रेरणादायक लघु फिल्मों एवं बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही कठपुतली कला, नुक्कड़ नाटक तथा लघु कहानी-वाचन जैसी गतिविधियों के माध्यम से भाषा कौशल एवं सांस्कृतिक समझ को विकसित किया गया।

विद्यार्थियों ने स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों, कलाकारों एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के जीवन एवं योगदान पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। प्राचार्या संगीता कोडान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उप-प्राचार्या नेहा शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए भारतीय भाषाओं एवं संस्कृति के प्रति अपनी रुचि और लगाव को प्रदर्शित किया।

सरकार की 12 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं : कौशिक

■ विससंयोजक कौशिक ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं बैठक को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान की तैयारियां बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तेज हो गई हैं। अभियान को लेकर विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। कौशिक ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और अन्य वर्गों के हित में अनेक योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता विशेष जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। उन्होंने बताया कि 5 से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 8 से 14 जून तक स्वच्छता अभियान, प्रगति पदयात्रा और विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 12 से 20 जून तक जनकल्याण शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों की सहायता और पंजीकरण का कार्य किया जाएगा।

शिक्षकों को नई शैक्षणिक पद्धतियों की जानकारी दी

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला

बहादुरगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा रहा, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा रूपरेखा और उसके प्रभावी क्रियान्वयन से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रिंसिपल राजदीप कुलश्रेष्ठ ने सीबीएसई प्रशिक्षक अर्चना झा और तमन्ना के साथ दीप प्रज्ज्वलन व गायत्री मंत्रोच्चार से किया। मंच संचालन शालू शर्मा ने किया। प्रशिक्षकों ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने दक्षता-आधारित शिक्षा, अनुभवात्मक अधिगम, समग्र मूल्यांकन, बहुविषयक शिक्षण और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल तथा हरदयाल पब्लिक स्कूल के करीब 70 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी, ज्ञानवर्धक और व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने वाला कार्यक्रम बताया।

एचडी स्कूल में सीबीपी पर कार्यशाला में दी लाइफ स्किलस की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को एचडी वमावि साल्हावास में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सीबीपी)पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 60 अध्यापकों ने लाइफ स्किलस (एडवांस) विषय पर गहनतम जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में 60 अध्यापकों ने लिया भाग

प्राचार्या प्रीति राठी की अध्यक्षता और विद्यालय की रिसोर्स पर्सन नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में कुशल प्रशिक्षक अभिषेक कुमार सिंह और मीना श्योराण ने अध्यापकों को जीवन कौशल आधारित शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराते हुए बताया कि भावनात्मक संतुलन, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, समस्याओं का समाधान और विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित करना प्रत्येक अध्यापक की प्राथमिकता होनी चाहिए।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित स्कूल स्टॉफ सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने अनेक गतिविधियों, समूह चर्चाओं और प्रायोगिक प्रयासों के द्वारा आधुनिक शिक्षण तकनीकों से अध्यापकवृन्द को परिचित कराया। एच डी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने बताया कि सीबीएसई द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निर्माण भी है। विद्यार्थियों के समग्र विकास में लाइफ स्किलस की बहुत बड़ी भूमिका होती है। पहले अध्यापकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों से अवगत कराना और फिर विद्यार्थियों को इस शिक्षण शैली में पढ़ाना वास्तव में सराहनीय पहल है। इस प्रकार की कार्यशालाओं से अध्यापकों को नई शिक्षण पद्धति का ज्ञान होता है। इस मौके पर एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सेक्टर-9, सेक्टर-6, सेक्टर-2 और ओमैक्स रोहतक रोड पर चलाया अभियान

छोटे जीवों, परिंदों की प्यास बुझाने के लिए बांटे 1200 सकोरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बेजुबान जीवों की प्यास बुझाने के लिए सकोरा वितरण कार्यक्रम में शामिल पर्यावरण प्रेमी, स्थानीय नागरिक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

भीषण गर्मी के बीच रविवार को बहादुरगढ़ में पक्षियों व छोटे जीवों के लिए सकोरा वितरण महा अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 1200 से अधिक मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। इस दौरान लोगों को पक्षियों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया गया।

अभियान सेक्टर-9, सेक्टर-6, सेक्टर-2, ओमैक्स रोहतक रोड, दयानंद नगर और धर्मविहार में चलाया गया। इस मुहिम में सार्थक सेवा समिति, क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट, रॉबिन हुड आर्मी, श्री श्याम सेवा समिति, जैन सेवा मंडल और सर्व कल्याण सेवा समिति के 80 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर सकोरे वितरित किए तथा लोगों को पक्षियों के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने, नियमित रूप से पानी बदलने और सकोरे को छायादार स्थान पर रखने के बारे में जानकारी दी। स्थानीय निवासियों ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण बहादुरगढ़ में गर्मी और प्रदूषण का असर अधिक रहता है। ऐसे में पक्षियों और अन्य जीवों के लिए पानी की व्यवस्था करना सभी की जिम्मेदारी है।

हर शुभ अवसर पर पौधे लगाएं

सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधियों ने बताया कि पक्षी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे बीजों के प्राकृतिक प्रसार में मदद करते हैं, जिससे नए पेड़-पौधे विकसित होते हैं और हरियाली बढ़ती है। बहादुरगढ़ जैसे औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन से भी मांग की कि गर्मी के मौसम में प्रत्येक वार्ड और औद्योगिक क्षेत्र में इस प्रकार के अभियान चलाए जाएं तथा पौधारोपण के साथ पक्षी संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए।

न्यूज डायरी

वरिष्ठ नागरिक छह जून तक करें आवेदन

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक मनाए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व कार्यक्रम के तहत सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेशभर के श्रद्धालुओं को सोमनाथ की धार्मिक यात्रा करवाने का निर्णय लिया गया है। श्रद्धालु यात्रा का लाभ उठाने के लिए 6 जून तक सरल पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आठ जून को कुरुक्षेत्र से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

मानसी ने रोबोटिक्स में जीता गोल्ड मेडल

झज्जर। आरईडी स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा मानसी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम में भाग लेते हुए राष्ट्रीय स्तर की रोबोटिक्स प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। स्कूल प्राचार्या गीता गाबा ने बताया कि मानसी का चयन जोधपुर स्थित आरआरएससी में आयोजित 14 दिवसीय स्पेस साइंस ट्रेनिंग कैंप के लिए हुआ था। कैंप के दौरान मानसी ने रॉकेट प्रोपल्शन, स्पेस टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष विज्ञान की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त की। इस उपलब्धि पर आरईडी संस्थान निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत ने मानसी को सम्मानित करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कैंप में बच्चों ने जानी भाषाई विविधता

बहादुरगढ़। गांव निलोठी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाणा सरकार के तत्वावधान में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। सप्ताहभर चले इस कैंप में विद्यार्थियों को देश की विभिन्न भाषाओं, लोकगीतों, खान-पान, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराया गया। कैंप के को-ऑर्डिनेटर वीरेंद्र मुदगिल के मार्गदर्शन में भाषा शिक्षकों ने बच्चों को भाषाई विविधता का महत्व समझाया। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल विजय खत्री ने पूरे सप्ताह आयोजित गतिविधियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को नई भाषाएं सीखने और भारतीय संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर होंगे प्रशिक्षित

झज्जर। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की तैयारियों के चलते जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीटीएम एवं उप जिला निर्वाचन रितु बंसीवाल ने बताया कि सभी प्रशिक्षण सत्र सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित होंगे, जबकि बीएलए ओरिएंटेशन कार्यशालाएं दोपहर दो बजे से सायं चार बजे तक आयोजित की जाएंगी। यह कार्यक्रम 1 जून से शुरु होकर 11 जून तक चलेंगे। उन्होंने बताया कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 807 मतदान केंद्र हैं।

पढ़ाने के नए और प्रभावी तरीकें बताए

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सीबीएसई की ओर से एक दिवसीय बिल्डिंग कैपेसीटी इन हाऊस प्रोग्राम की तरफ से वैल्यू एजुकेशन को लेकर वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का उद्देश्य सभी अध्यापकों को वैल्यू एजुकेशन को अच्छे तरीके से समझना रहा। सीबीएसई रिसोर्स पर्सन सरिता दलाल नें सभी अध्यापकों को एक नए अंदाज से बच्चों को वैल्यू एजुकेशन के तहत पढ़ाने के तरीके बताए। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि सीबीएसई रिसोर्स पर्सन सरिता दलाल नें अध्यापकों को आज के समय के अनुसार बच्चों को वैल्यू एजुकेशन के तहत सभी बच्चों को एक सरल तरीके से शिक्षा प्रदान करवाना है।

हवन के साथ श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

झज्जर। बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर मंदिर में हवन का आयोजन किया गया। महंत परमानंद गिरी महाराज के सानिध्य में श्रद्धालुओं द्वारा श्रीमद्भागवत कथा की पूर्णाहुति डाली गई। कथा वाचक आचार्य उपेंद्र ने हवन में पूर्णाहुति डलवाई। इस दौरान मृत्युंजयगिरी महाराज, प्रवीण सिंघल, सुरेंद्र बसंल, शिबू सिंघल, विकास गोयल, योगेश शर्मा, दलवीर दलाल, जोगेंद्र गोयल, बिट्टू जैन, शिवकुमार, एडवोकेट पंकज शर्मा, नवनीत शर्मा, पंडित नरेंद्र, दीपक, दीक्षित सहित अन्य भी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत परमानंद गिरी ने कहा कि लोगों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को भी इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों में साथ लाए ताकि उन्हें भारतीय संस्कृति व हिंदू धर्म की जानकारी मिल सके।

पंडाल में श्रीश्याम भजनों पर नाचे श्रद्धालु

झज्जर। शनिवार सांय अंबेडकर चौक स्थित श्री श्याम अखंड ज्योति मंदिर में बाबा खाटू श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। जागरण में भजन सम्राट संजय मित्तल ने शांति धुन और मधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने जब रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम, भज प्यारे तू सीता राम..भजन सुनाया तो श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। मंदिर संचालक आजाद दीवान ने बताया कि श्यामलीन सुभाष दीवान की प्रेरणा से आयोजित 17वें वार्षिकोत्सव में समाजसेवी मनीष बंसल ने मुख्य रूप से शिरकत की। मंच संचालन धर्मेंद्र बसवाल द्वारा किया गया। रात भर श्रद्धालु श्रीश्याम के भजनों पर नाचते हुए बाबा खाटू श्याम के जयकारे लगाते रहे। आयोजक समिति के सदस्यों द्वारा मुख्यतिथि, वशिष्ठ अतिथियों व श्याम प्रेमियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। मुख्यतिथि समाजसेवी मनीष बंसल ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने की अपील करते हुए कहा कि बेटियां परिवार और समाज की शान होती है।

पशुओं के आपस में लड़ने से दुकानों के बाहर रखे सामान व सब्जियों को पहुंचता है नुकसान

शहर की सड़कों पर बेसहारा गोवंशों का जमावड़ा, बढ़ रही दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की सड़कों पर इन दिनों बेसहारा गोवंशों का जमावड़ा आम लोगों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मुख्य मार्गों, चौराहों, गली मौहल्लों और बाजार क्षेत्रों में बड़ी संख्या में घूम रहे बेसहारा गोवंश न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं। स्थिति यह है कि दिन के साथ-साथ रात के समय भी वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीते कुछ समय में ऐसे कई हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें लोग काल का ग्रास भी बन चुके है। स्थिति यह है कि कई बार ये पशु आपस में लड़ने लगते हैं, जिससे आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच जाती है। वहीं, सड़क किनारे रखे सामान और सब्जियों को भी नुकसान पहुंचता है।

झज्जर। पुराना बस अड्डा मार्ग पर सड़क के बीचों खड़ा बेसहारा गोवंशों का झुंड।

प्रशासन को उठाने होंगे ठोस कदम

दुकानदार जितेंद्र कुमार ने कहा कि शहर में बढ़ते बेसहारा गौवंश आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। प्रशासन को इनके स्थायी प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि लोगों को राहत मिल सके। बेसहारा गौवंशों के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी आती है। रात के समय दुर्घटना का भी अंदेशा रहता है।

खेतों में भी घुस जाते हैं पशु : किसान सुखबीर

किसान सुखबीर सिंह ने बताया कि बेसहारा गौवंश खेतों में भी घुस जाते हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाता है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से बेसहारा गौवंशों को गौशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने की मांग की है।

हादसे का खतरा

पूनम देवी ने कहा कि सड़कों पर घूमते बेसहारा पशुओं से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार अचानक पशु सामने आ जाने से हादसे होने का डर बना रहता है। कई महीने पहले बेसहारा गौवंशों ने एक महिला को भी उनकी चपेट में ले लिया था। जिसके कारण उसे गंभीर चोटें लगी थी।

नेहरू कॉलेज में यूजी कक्षाओं के लिए प्राप्त हुए 1066 आवेदन

स्नातक के आवेदन की प्रकिया पूरी क्या बढ़ेगी आवेदन की अंतिम तिथि?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए रविवार को आवेदन की अंतिम तिथि थी। जनसंचार विभागाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में रविवार शाम तक यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए 1066 आवेदन किए गए हैं। इनमें से बीए की 480 सीटों के लिए 457, बीसीए की 80 सीटों के लिए 188, बीबीए की 80 सीटों के लिए 104, बीकॉम की 140 सीटों के लिए 105, बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 73, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों के लिए 103 और बीएससी गणित की 40 सीटों के लिए 36 आवेदन किए गए हैं। इस बार आवेदन प्रक्रिया बारहवीं कक्षा का परिणाम घोषित होने से पहले 07 मई को ही शुरू हो गई थी लेकिन फिर भी अपेक्षाकृत कम आवेदन किए गए हैं। इसलिए इस बात में कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या आवेदन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाया जाएगा। पिछले वर्ष आवेदन की अंतिम तिथि 09 जून थी और इसे बाद में बढ़ाकर 16 जून किया गया था।

माइग्रेशन और बाहर पढ़ाई की प्रवृत्तिः डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि कुछ मेधावी विद्यार्थी हरियाणा के बाहर दिल्ली, रोहतक, चंडीगढ़ या अन्य बड़े शहरों के कॉलेजों में दाखिला लेना पसंद करते हैं। इससे स्थानीय कॉलेजों में आवेदन संख्या प्रभावित होती है। इसके अलावा कुछ विद्यार्थी गैप ईयर लेने का भी विचार करते हैं।

प्रोफेशनल कोर्स लोकप्रियः डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि बीसीए और बीबीए जैसे प्रोफेशनल कोर्स में सीटों के मुकाबले अधिक आवेदन हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की तरफ रुझान बढ़ रहा है और परंपरागत कोर्स के प्रति रुझान कम हो रहा है। कुल मिलाकर आवेदन में आई यह स्थिति बदलते शैक्षिक रुझानों, करियर प्राथमिकताओं का परिणाम है। यदि अंतिम तिथि बढ़ाई जाती है, तो संभावित रूप से आवेदन संख्या में और वृद्धि हो सकती है।

आईटीआई में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया कल से

- विद्यार्थी 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर तकनीकी व्यवसायों में ले सकेंगे एडमिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पंडित जागेराम राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जहांगीरपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 2 जून से शुरू होगी। इच्छुक विद्यार्थी 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में दाखिला ले सकेंगे।

संस्थान के ट्रेनिंग इंचार्ज एवं वर्ग अनुदेशक रविंद्र कुमार मल्हान ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए संस्थान परिसर में निःशुल्क हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जहां आवेदन से संबंधित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा संस्थान का स्टाफ भी दाखिला प्रक्रिया में सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए आधार कार्ड, हरियाणा निवासी प्रमाण पत्र, ई-मेल आईडी, दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, फैमिली आईडी, मोबाइल नंबर तथा बैंक खाते की प्रति आदि दस्तावेजों की जरूरत होगी।

आईटीआई जहांगीरपुर में विद्यार्थियों के लिए बिजली, स्वच्छ पेयजल, हरित वातावरण और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे उन्हें बेहतर प्रशिक्षण का माहौल मिलता है।

झज्जर। संस्कारम स्कूल परिसर का निरीक्षण करते हुए कर्नल सुमेर सिंह एवं उनकी टीम। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम स्कूल में एनसीसी कैंप की तैयारियां शुरू, 600 कैडेट्स लेंगे हिस्सा

- आठ बटालियन हरियाणा के कर्नल सुमेर सिंह व सैन्य दल ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल में दस दिवसीय वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर की तैयारियां जोरों से चल रही है। जिसके चलते व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए आठ बटालियन हरियाणा से एक उच्च स्तरीय सैन्य दल कर्नल सुमेर सिंह और सूबेदार मेजर राकेश कुमार के अगुवाई में स्कूल परिसर पहुंचा। निरीक्षण दल में सूबेदार पंडित चोगले, सूबेदार मीर सिंह, सूबेदार सोमवीर साहब, नायक सूबेदार सुरेंद्र सिंह, हवलदार अनिल, हवलदार विकास, हवलदार रवि कुमार और बटालियन हवलदार मेजर रोहतास जैसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल रहे, जिन्होंने स्कूल परिसर में कैडेट्स के ठहरने, भोजन, सुरक्षा और परेड ग्राउंड की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संस्कारम पब्लिक स्कूल के एनसीसी कार्यवाहक मनीष योगी ने कैंप की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह कड़ा प्रशिक्षण शिविर महीने की 1 जून से लेकर 20 जून तक चलेगा, जिसमें विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के लगभग 600 एनसीसी कैडेट्स हिस्सा लेकर भारतीय सेना के कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, हथियार चलाना, मानचित्र अध्ययन, आपदा प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण सैन्य गुर सीखेंगे ताकि युवाओं में देश सेवा, कड़े अनुशासन और निस्वार्थ भावना का विकास किया जा सके।

गुलिया खाप चबुतरे पर सतगाम पंचायत में किया सामाजिक बुराइयों का विरोध

झज्जर। क्षेत्र के गांव सौंधी स्थित गुलिया खाप चबूतरे पर सतगामा पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता सतगामा प्रधान धर्मपाल गुलिया ने की जबकि मंच संचालन सचिव मास्टर रमेश गुलिया द्वारा किया गया। पंचायत में सामाजिक कुरूतियों और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में दहेज प्रथा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, देर रात तक डीजे बजाने तथा समाज में बढ़ रही फिजूलखर्ची जैसी सामाजिक पंचायत में लिए गए विवाह समारोह दिन में आयोजित करने, बढ़ती नशा प्रवृत्ति को रोकने, सोने-चांदी की खरीद में सादगी बरतने जैसे निर्णय बुराइयों का विरोध करते हुए जागरूकता फैलाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान विवाह समारोह दिन में आयोजित करने, सोने-चांदी की खरीद में सादगी अपनाने और अनावश्यक खर्चों को कम करने पर जोर दिया गया। पंचायत में उपस्थित लोगों ने इन सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अमरजीत, हितेश, हुकम, गोविंद, प्रह्लाद पहलवान, धर्म, सतबीर, जगत, साहबराम, मलखान, जगबीर, हनुमान, मीनू, सुमेर, ओम, हरीश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

- पंचायत में लिए गए विवाह समारोह दिन में आयोजित करने, बढ़ती नशा प्रवृत्ति को रोकने, सोने-चांदी की खरीद में सादगी बरतने जैसे निर्णय

लव-कुश लीग में बहादुरगढ़ व चरखी की टीमों ने किया जबरदस्त प्रदर्शन

बहादुरगढ़। गांव लोवा खुर्द में आयोजित लव-कुश फुटबॉल लीग सत्र-5 में रविवार को खेल प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। चार आयु वर्गों में खेले गए कुल 20 मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अरूप दास जोश ट्रस्टी उपस्थित रहे। अंडर-13 वर्ग में लोवा खुर्द और खेड़ी जसोर गर्ल्स टीम का मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा। सिटी बहादुरगढ़ ने गोयला कलां को 8-0 से हराया। खेड़ी जसोर ने चरखी को 2-1 से मात दी, जबकि चरखी फुटबॉल क्लब ने लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब को 2-0 से हराया। सिटी बहादुरगढ़ और लोवा खुर्द का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। अंडर-15 वर्ग में लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने भापड़ोदा को 2-0 से हराया। सिटी बहादुरगढ़ ने गोयला कलां को 8-0 से मात दी।

पवन जैन बने भाविप के विकास रत्न

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा व विवेकानंद शाखा की संयुक्त विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुर्गादत्त शर्मा ने प्रवास कर पदाधिकारियों और सदस्यों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश शर्मा ने की, जबकि प्रांतीय संरक्षक पवन जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रांतीय महासचिव वनीत अग्घी ने किया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुर्गादत्त शर्मा का परिषद पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत व सम्मान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि परिषद की शाखाओं को ऐसे सेवा कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जो समाज में संस्कारों के निर्माण और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। क्षेत्रीय महासचिव राकेश शर्मा ने शाखाओं की वर्तमान गतिविधियों और आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। बैठक में प्रांतीय संरक्षक पवन जैन को जिले का पहला विकास रत्न सम्मान प्राप्त होने पर बधाई दी गई।

जैन ने की प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता से मुलाकात

बहादुरगढ़। भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। जैन ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन करते हुए सम्मान किया। जैन ने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा संगठन को नई मजबूती मिलेगी। पार्टी प्रदेश में और अधिक सशक्त होकर जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएगी। भाजपा ने साबित कर दिया कि वो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना चाहती है।

न्यूज डायरी

डॉ. पंकज जैन ने चेयरमैन के साथ सुना पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम

बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन एडवोकेट वेदपाल के निवास पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के बाद डॉ. जैन ने कहा कि मन की बात देशवासियों को सकारात्मक सोच, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री अपने संबोधन में संस्कृति, युवाओं, महिलाओं, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समाज में बदलाव लाने वाले लोगों की प्रेरक कहानियां साझा करते हैं। यह कार्यक्रम केवल रेडियो प्रसारण नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों से प्रधानमंत्री का भावनात्मक संवाद है, जो विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करता है।

जिला और उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर, शिकायतों का होगा निवारण

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम आमजन की समस्याओं और शिकायतों को सुनेंगे।

श्री बालाजी क्रिकेट एकेडमी में खिलाड़ियों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बहादुरगढ़। नया गांव स्थित श्रीबालाजी क्रिकेट एकेडमी में सड़क सुरक्षा व नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक एसएचओ सतीश कुमार ने खिलाड़ियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लापरवाही के कारण होती हैं। इसलिए नियमों का पालन करना चाहिए। सत्येंद्र दहिया ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को इससे दूर रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकेडमी संचालक अमित जून ने की तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संघर्षशील जनकल्याण समिति सदस्यों ने श्रमदान कर संवारा वेस्ट जुआ ड्रेन फुटपाथ

बहादुरगढ़। संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति की ओर से रविवार को वेस्ट जुआं ड्रेन रोड पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति सदस्यों ने श्रमदान कर फुटपाथ और आसपास के क्षेत्र की सफाई की। समिति सदस्य सोमेश राठी ने बताया कि ड्रेन रोड के साथ बने फुटपाथों पर जमा गंदगी और मलबे को हटाया गया, जिससे राहगीरों को आने-जाने में सुविधा होगी। मनीष चाहार ने बताया कि सड़क किनारे और पौधों के आसपास उगी खरपतवार को भी साफ किया गया। सितेंद्र राठी ने कहा कि पहले लगाए गए पौधों की निराई-गुड़ाई कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। सुरेंद्र डाबला और कर्मबीर राठी ने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

खेल | फाइनल में उज्बेकिस्तान की पहलवान को 6-0 के अंतर से दी पटखनी

मांडोठी की दीक्षा दलाल ने एशियन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वियनाम में आयोजित अंडर-17 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में मांडोठी गांव की बेटी दीक्षा दलाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता। दीक्षा की जीत पर परिजनों, साथी पहलवानों व कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। अखाड़े में लौटने पर उसका जोरदार अभिनंदन किया जाएगा। वियतनाम में हुई इस चैंपियनशिप में कई एशियाई देशों के पहलवान भाग ले रहे हैं। मांडोठी की बेटी दीक्षा दलाल ने भी चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। अंडर 43 किलोग्राम भारवर्ग में दीक्षा का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला किर्गिस्तान की पहलवान से हुआ। इस मुकाबले में दीक्षा ने एकतरफा 8-0 के अंतर से जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में वियतनाम की पहलवान को 10-0 के अंतर से परास्त किया। यही प्रदर्शन दोहराते हुए फाइनल में उज्बेकिस्तान की पहलवान को 6-0 के अंतर से पटखनी देकर देश के लिए सोना जीत लिया। उसकी जीत की सूचना पर परिजनों और अखाड़े में खुशी की लहर दौड़ गई। दीक्षा मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अभ्यास करती है। अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि दीक्षा बेहद होनहार पहलवान है। इससे पहले भी अंडर 15 में दो बार एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीत चुकी है। अब एक बार फिर एशियन चैंपियनशिप में देश का परचम लहराया है। एक दिन बड़े स्तर पर देश का नाम रोशन करेगी।

यमुना रन और पटनीटॉप मैराथन में छाए बीआरजी के धावक, नसीब चंद रहे प्रथम

बहादुरगढ़। रविवार को दिल्ली में आयोजित रन फॉर यमुना और जम्मू-कश्मीर की पटनीटॉप मैराथन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया। कई धावकों ने मेडल जीतकर इलाके का मान बढ़ाया। दिल्ली के गढ़ी मेंडू फॉरेस्ट एरिया में आयोजित रन फॉर यमुना में 10 किलोमीटर दौड़ के 46 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में नसीब चंद ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि 19 से 45 वर्ष वर्ग में गुलाब सिंह तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 5 किलोमीटर दौड़ में 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में राजपाल ने पहला तथा अशोक कुमार शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा अरुण विजयरन, कपिल, शाहीन, विनोद, अजय, शिवम, नीरज, एनके., सुनील, अंजलि सुमन, सोनिया और बिंदू ने भी सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की। वहीं, जम्मू-कश्मीर में आयोजित पटनीटॉप मैराथन में बीआरजी के धावकों ने कठिन पहाड़ी ट्रैक पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विपुन वर्मा ने 21 किलोमीटर हाफ मैराथन के 30 से 45 वर्ष आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि सुधीर तेवतिया चौथे स्थान पर रहे।